Roll No. ..... Total Pages : 3

GSM/D-20 **852**

SANSKRIT

Paper - ELECTIVE

Time allowed : 3 Hours *Maximum Marks : 80*

नोटः – सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

1. अधोलिखित सभी प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए । 8×2=16

(क) पञ्चरात्रम् का प्रस्ताव किसका था और क्यों ?

(ख) पाण्डवों के गुरू का क्या नाम था ?

(ग) 'पारिभाषिक' शब्द किन्हें कहते है ?

(घ) 'अव्ययीभाव' समास में कौन सा पद प्रधान होता है ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिये ।

(ङ) बाणभट्ट की रचनाओं के नाम लिखिए ।

(च) प्रत्याहार का क्या अर्थ है ? दो प्रत्याहार सूत्र लिखकर स्पष्ट करें ।

(छ) 'याचमानः' पद में कौन सा कृदन्त प्रत्यय है ?

(ज) समास की परिभाषा लिखें ।

2. (क) निम्नलिखित पद्यों में से किन्हीं दो की सप्रङ्ग व्याख्या कीजिए ? 5×2

(i) वनं सवृक्षक्षुपगुल्मेतत् प्रकाममाहार मिवोपभुज्य ।
कुशानुसारेण हुताशनोडसौ नदीमुपस्प्रष्टुमिवावतीर्णः ।।

(ii) सयौवनः श्रेष्ठतपोवने रतो नरेश्वरो ब्राह्मणवृत्तिमाश्रितः ।
विमुक्तराज्योडप्यभिवर्धितः श्रिया त्रिदण्डधारी न च दण्डधारकः ।।

(iii) भग्नापयानेष्वनभिज्ञदोषस्तारूण्यभावेन विलम्बमानः ।
केनैष हस्तिग्रहणोद्यतेन यूभेडपयाते कलभो गृहीतः ।।

(iv) येषां गतिः क्वापि निराश्रयाणां संवत्सरैर्द्वादशभिर्नदृष्टा ।
त्वं पाण्डवानां कुरू संविभागमेषा च भिक्षा मम दक्षिणा च ।।

(ख) 'पञ्चरात्रम्' के नामकरण की सार्थकता प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

भीष्मपितामह का चरित्र–चित्रण कीजिए । 6

3. (क) किन्हीं चार पारिभाषिक शब्दों की परिभाषा लिखिए ।
प्रवेशक, भरतवाक्यम् जनान्तिकम्, अपवारितम्, स्वगतम्, नेपथ्य । 4×2=8

(ख) दण्डी की गद्यशैली का विवेचन कीजिए । 8

अथवा

विष्णुशर्मा का साहित्यिक परिचय दीजिए ।

4. (क) किन्हीं चार समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए । 4×2=8

सचक्रम् – 'कुपुत्रः' शीतोष्णम्, चतुर्मुखः, यूपदारू, अनुपस्थितः शताब्दी, प्राचार्यः ।

(ख) किन्हीं आठ के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए । 8×1=8

√अस्+ क्त्वा, आ+√गम्+ल्यप्, √स्था+तुमुन्, √कृ+यत्, √पठ+ण्यत्, √कथ+शतृ, √मुद+शानच् √श्रु+क्त, √नी+क्तवतु, √नृत्+तव्यत्, √सह+अनीयर् √वच+क्त ।

5. (क) किन्हीं चार प्रत्याहारों के अन्तर्गत आने वर्णो का उल्लेख करें । 4×2=8

अट्, अण्, हश्, यञ्, झश्, स्त्रर, चर, रल्, बश् ।

(ख) शुल्क–मुक्ति–हेतोः प्राचार्याय प्रार्थना–पत्रं लिखतु । 8

अथवा

पुस्तकानि प्रेषयितुं प्रकाशकं प्रति प्रार्थना पत्रं लिखतु ।